Solution
PRELIMINARY EXAM - I - SET 1
Class 10 - हिंदी ब

खंड - क (अपठित बोध)

1. 1. (क) पश्चिमी विचारधारा के लोग सह-शिक्षा का समर्थन करते हैं।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (घ) सह + शिक्षा
   4. छात्र-छात्राओं में स्पर्धा उत्पन्न करके शिक्षा के बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।
   5. प्रतियोगिता के जोश में विद्यार्थी शानदार सफलताएँ प्राप्त करते हैं।
2. i. (D) वैश्विक स्तर पर जलवायु में परिवर्तन होना
   ii. (B) कथन और परिणाम दोनों सही हैं।
   iii. (A) जल का संग्रहण
   iv. पहाड़ों की स्थायी बर्फ तेजी से पिघलने, वर्षा में कमी और धरती के बढ़ते तापमान से नदियों में जल प्रवाह घट रहा है, जिससे जल संकट और पर्यावरण असंतुलन बढ़ रहा है।
   v. वर्षा जल के उचित संग्रह और संरक्षण की कमी तथा भूजल के अनियंत्रित दोहन से जल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे जल संकट बढ़ रहा है और पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है।

खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)

3. i. सुभाष बाबू के जुलूस
   ii. टोलियाँ बना-बनाकर
   iii. मालूम हो रहा था
   iv. विशेषण पदबंध
   v. सर्वनाम पदबंध
4. i. मिश्र वाक्य के प्रधान एवं आश्रित उपवाक्यों को स्वतंत्र वाक्यों में बदलना तथा उन्हें योजक से जोड़ना,
   उदाहरण-
   मिश्र वाक्य- जैसे ही अध्यापक कक्षा में आए छात्र शांत हो गए। सरल वाक्य में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए। छात्र शांत हो गए। संयुक्त में रूपांतरण : अध्यापक कक्षा में आए और छात्र शांत हो गए।
   ii. हमारा दोस्त सआदत अली बहुत ऐश पसंद आदमी है।
   iii. नेचर की जो सहनशक्ति है उसकी भी एक सीमा होती है / जो नेचर की सहनशक्ति है उसकी भी एक सीमा होती है।
   iv. नूह उनकी बात सुनकर दुखी हुए और मुद्दत तक रोते रहे।
   v. सरल वाक्य
5. 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (a) सामासिक पदों का प्रयोग औपचारिक, साहित्यिक, और संक्षिप्त लेखन में किया जाता है, जहाँ भाषा को अधिक प्रभावशाली और व्यवस्थित बनाना हो।
   (b) अव्ययीभाव समास में पूर्व पद एक अव्यय होता है जो मुख्य रूप से किसी क्रिया, संज्ञा या विशेषण के साथ जुड़ा होता है।
   उदाहरण: "यथाशक्ति" (शक्ति के अनुसार) में "यथा" (पूर्व पद) अव्यय है और "शक्ति" (उत्तर पद) एक संज्ञा है।
   (c)
   - विग्रह: त्रि + लोक + नाथ
   - भेद: यह तत्पुरुष समास है। "त्रि" (तीन), "लोक" (दुनिया), और "नाथ" (स्वामी) के मिलकर एक नया अर्थ उत्पन्न होता है - "तीनों लोकों का स्वामी" (ईश्वर)।

   (d)
   - विग्रह: सत् + कर्म
   - भेद: यह कर्मधारय समास है, जिसमें "सत्" (अच्छा) और "कर्म" (कार्य) मिलकर "सत्कर्म" (अच्छे कार्य) का अर्थ बनाते हैं।

   (e) विग्रह: मंगल + वार
   भेद: यह द्वंद्व समास है, जिसमें दोनों पद समान होते हैं। "मंगल" (सौम्य ग्रह) और "वार" (दिन) मिलकर "मंगलवार" (मंगल का दिन) का अर्थ बनाते हैं।
6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए -
   (a) बाट जोह
   (b) आसमान सिर पर उठा लेते हो
   (c) दांतों तले अंगुली दबाना: आश्चर्यचकित होना।
   आंखें फटी की फटी रह जाना: किसी दृश्य को देखकर दंग रह जाना।
   (d) उसके भाषण में गागर में सागर भरने की कला है।
   (e) मुहावरा: मुराद पूरी होना।
   वाक्य: उसकी वर्षों की तपस्या के बाद आखिर उसकी मुराद पूरी हुई।

खंड - ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

7. **Read the text carefully and answer the questions:**
कह दिया- 'समय की पाबंदी' पर एक निबंध लिखो, जो चार पन्नों से कम न हो। अब आप कापी सामने खोले, कलम हाथ में लिये, उसके नाम को रोइए। कौन नहीं जानता कि समय की पाबंदी बहुत अच्छी बात है। इससे आदमी के जीवन में संयम आ जाता है, दूसरों का उस पर स्नेह होने लगता है और उसके कारोबार में उन्नति होती है; लेकिन इस जरा-सी बात पर चार पन्ने कैसे लिखें? जो बात एक वाक्य में कही जा सके, उसे चार पन्ने में लिखने की जरूरत? मैं तो इसे हिमाकत समझता हूँ। यह तो समय की किफायत नहीं, बल्कि उसका दुरूपयोग है कि व्यर्थ में किसी बात को ठूँस दिया। हम चाहते हैं, आदमी को जो कुछ कहना हो, चटपट कह दे और अपनी राह ले। मगर नहीं, आपको चार पन्ने रंगने पड़ेंगे, चाहे जैसे लिखिए। और पन्ने, भी पूरे फुलस्केप आकार के। यह छात्रों पर अत्याचार नहीं तो और क्या है? अनर्थ तो यह है कि कहा जाता है, संक्षेप में लिखो। समय की पाबंदी पर संक्षेप में एक निबंध लिखो, जो चार पन्नों से कम न हो। ठीक! संक्षेप में चार पन्ने हुए, नहीं शायद सौ-दो सौ पन्ने लिखवाते। तेज भी दौड़िये और धीरे-धीरे भी। है उल्टी बात या नहीं? बालक भी इतनी-सी बात समझ सकता है, लेकिन इन अध्यापकों को इतनी तमीज भी नहीं। उस पर दावा है कि हम अध्यापक है।

(a) **(a)** शिक्षा व्यवस्था की कमी
Explanation:
शिक्षा व्यवस्था की कमी

(b) **(b)** उन पर जबरदस्ती कोई काम थोपना
Explanation:
उन पर जबरदस्ती कोई काम थोपना

(c) **(c)** कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
Explanation:
कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(d) **(c)** बेवजह परेशान करना
Explanation:
बेवजह परेशान करना

(e) **(c)** बच्चों से भी कम अक्ल होने से
Explanation:
बच्चों से भी कम अक्ल होने से

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :
(a) धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस इसलिए टूट गया क्योंकि सुभाष बाबू को पकड़ने के बाद स्त्रियाँ जुलूस बनाकर उस ओर जाने लगी किंतु जैसे ही जुलूस धर्मतल्ले के मोड़ पर आ गया पुलिस ने अचानक लाठीचार्ज शुरू किया इससे लोग जख्मी हुए और भीड़ तितर-बितर हो गई | कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया जिसके कारण जुलूस टूट गया।
(b) महात्मा गांधी ने शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से की है क्योंकि शुद्ध आदर्श में कभी कोई खोट नहीं होता। वह खरे सोने के समान होता है। व्यावहारिकता ताँबे के समान होती है। उसे आभूषण बनाने के लिए सोने में मिलाया जाता है। इसी प्रकार आदर्श को व्यावहारिक बनाने के लिए समझौते करने पड़ते हैं। आदर्शो को व्यावहारिकता के स्तर पर न लाकर व्यावहारिकता को आदर्श के स्तर तक ऊपर उठाते थे।
(c) पाठ के आधार पर वजीर अली अवध के नवाब के पद पर था | परंतु कंपनी ने उसे उसे नवाब के पद से हटा दिया क्योंकि वो एक देशभक्त था तो कंपनी को उससे खतरा था| इसी कारण कंपनी अपने लाभ के लिए उसे उस पद से हटाकर अपने किसी चाटुकार व्यक्ति को उस पद पर बैठना चाहती थी जिससे कंपनी को लाभ हो सके |
(d) **तीसरी कसम** फ़िल्म के नायक राजकपूर हैं। सामान्य रूप में वे ऐसे कलाकार रहे हैं जो आँखों से ही अपनी बात करते हैं और भावों को मूर्त (साकार) रूप दे देते हैं।

9. **Read the text carefully and answer the questions:**
'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(a) **(a)** मनुष्य मात्र को परस्पर भाई-बंधु समझना
Explanation:
मनुष्य मात्र को परस्पर भाई-बंधु समझना।

(b) **(d)** भाई का भाई से अलगाव
Explanation:
भाई का भाई से अलगाव

(c) **(d)** एक परमात्मा की संतान होने से
Explanation:
एक परमात्मा की संतान होने से

(d) **(a)** कर्मों की भिन्नता के कारण
Explanation:
कर्मों की भिन्नता के कारण

(e) **(c)** (ii), (iii)
Explanation:
मनुष्य आपस में बंधु हैं। परमात्मा पुराण पुरुष है।

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए :
    (a) मीरा यमुना तट पर आधी रात में श्रीकृष्ण दर्शन इसलिए करना चाहती हैं क्योंकि उसका मन श्रीकृष्ण के दर्शन करने के लिए व्याकुल हो रहा है। आधी रात को बहुत घना अंधेरा होता है। यह कहना प्रतीकात्मक है इससे मीरा यह बताना चाहती है कि उसके हृदय में भी बहुत घना अंधेरा यानी पीड़ा है वह केवल कृष्ण के दर्शन से ही दूर हो सकती है। वह अपने आराध्य श्रीकृष्ण को आधी रात में यमुना किनारे मिलने के लिए बुलाती है, ताकि उनके दर्शन करके वह आनंद का अनुभव कर सकें।
    (b) कवि सुमित्रानंदन पंत ने पर्वत को धुंध और वर्षा में ढँका हुआ बताया है, जिससे उसकी ऊँचाई, गहराई और गंभीरता रहस्यमय प्रतीत होती है। बादलों से घिरे, धुँधले पर्वत प्रकृति की विराटता और सौंदर्य का चित्र प्रस्तुत करते हैं, जिससे उसकी दिव्यता और गरिमा झलकती है।
    (c) **बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो** - पंक्ति में कवि देशवासियों को संबोधित कर रहा है। कवि ने अपने प्राणों का देश की सेवा के लिए बलिदान कर दिया और वह कहता है कि अब देश सेवा का भार देशवासियों पर है।
    (d) कविता के अनुसार सुख के दिनों सामान्य इंसान सुख देने वाले को भूल अपनी ही दुनिया में मगन रहता है। वह ईश्वर को भूलकर अपनी जिंदगी में व्यस्त हो जाता है। वही ठीक इसके विपरीत कवि सुख के दिनों को ईश्वर की कृपा के कारण मिला हुआ मानता है। वह इतनी प्रार्थना करता है कि वह प्रभु को पल भर भी न भूले और सुख में भी उसका सिर ईश्वर के समक्ष झुका रहे।
11. पूरक पाठ्य पुस्तक 'संचयन' के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए :
    (a) हरिहर काका को वृद्धावस्था में उपेक्षा, भावनात्मक अकेलापन और संपत्ति हड़पने की कोशिशों का सामना करना पड़ा। उनके स्वाभिमान को ठेस पहुँची। बुजुर्गों के खुशहाल जीवन के लिए उन्हें सम्मान, प्रेम, संवाद और सुरक्षा देना आवश्यक है। परिवार में सहभागिता और अधिकार उन्हें संतोष देता है।
    (b) लेखक गुरुदयाल और उनके साथियों को स्कूल जाना पसंद नहीं था पर स्काउट परेड वाला दिन उन्हें बहुत अच्छा लगता था। उस समय परेड करते समय उनके अंदर आत्मविश्वास और जोश भर जाता था। उन्हें लगता था कि वे सचमुच फौजी जवान बन गए हैं। हमें विद्यालय जाना बहुत पसंद है क्योंकि वहाँ हमारा सर्वांगीण विकास होता है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, व्यायाम, संगीत, नृत्य आदि अनेक गतिविधियाँ हमारे विद्यालय में होती हैं जो हमारे सम्पूर्ण विकास में सहायक हैं इसलिए हमें किसी दिन की अपेक्षा प्रतिदिन विद्यालय जाना पसंद है।
    (c) मेरी दादी और नानी दोनों ही मुझे बेहद प्यार करते हैं। मेरी दादी गाँव में रहती हैं। वहाँ उनके साथ मेरे चाचा-चाची और मेरे भाई-बहिन भी रहते हैं। जब मैं गर्मियों की छुट्टियों में अपनी दादी के घर जाता हूँ, तो वे मुझे बेहद लाड़-प्यार करती हैं। वे मेरे लिए खीर और रबड़ी बनाती हैं। मुझे अपने हाथों से खाना खिलाती हैं और रात में मुझे कहानी सुनाती हैं। मेरी नानी भी मुझसे बहुत प्यार करती हैं। वे मेरे साथ खेलती हैं और मेरे लिए खिलौने भी लाती हैं। वे मुझे अच्छी-अच्छी बातें सिखाती हैं। मेरी दादी और नानी दोनों ही मेरे लिए ईश्वर का दिया हुआ अनमोल उपहार हैं।

खंड - घ (रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(a) **शारीरिक श्रम: स्वास्थ्य का आधार**

आज की आधुनिक जीवन-शैली में तकनीकी साधनों की सुविधा ने मनुष्य के शारीरिक श्रम को बहुत घटा दिया है। मशीनों पर निर्भरता और बैठकर काम करने की प्रवृत्ति के कारण लोग शारीरिक रूप से निष्क्रिय होते जा रहे हैं, जिससे मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग जैसी बीमारियाँ बढ़ रही हैं। स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम, योग, पैदल चलना और घरेलू कार्यों में सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। शारीरिक श्रम न केवल शरीर को तंदुरुस्त रखता है बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करता है। यह आत्मविश्वास, सहनशीलता और ऊर्जा बढ़ाता है। जो व्यक्ति श्रम करता है, उसका शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। अतः शारीरिक श्रम को जीवन का आवश्यक अंग बनाना ही सच्चे स्वास्थ्य का आधार है।

(b) **ऑनलाइन गेमिंग का बढ़ता जाल**

आजकल बच्चे अपना अधिकांश समय किसी न किसी डिजिटल माध्यम पर ही व्यतीत करते हैं। दरअसल पिछले करीब डेढ़ वर्षो तक बच्चों की पढ़ाई-लिखाई डिजिटल माध्यम से होने के कारण वे उनके जीवन का हिस्सा बन गए। ऐसे में उनका रुझान आनलाइन गेमिंग की ओर भी बढ़ता गया। हमारे मासूम इसके शिकंजे में आते गए। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि आनलाइन पढ़ाई के बाद ही बच्चे इसके शिकंजे में आए, लेकिन इसके बाद इस तरह के बच्चों की संख्या बेतहाशा बढ़ गई। युवाओं के साथ अब बच्चे भी तेजी ऑनलाइन गेम्स के एडिक्ट हो रहे है। बच्चों ने ऑनलाइन गेम्स जैसे पब्बजी,फ्रीफायर ने बच्चो के मानसिक संतुलन को खराब कर दिया है बच्चे अपने अभिभावकों से ऑनलाइन क्लास का बहाना लगाकर रूम में ऑनलाइन गेम खेलते हैं और वही बच्चों को अगर गेम्स खेलने के

लिए मना किया जाता है। तो उनका गुस्सेल, चिड़चिड़ान अभिभावकों के लिए दिक्कत साबित हो जाता है और वे भी डरते हैं कहीं मना करने पर बच्चे कुछ ग़लत कदम ना उठा ले। ऑनलाइन गेम्स के फैशन ने आज बच्चों और युवाओं को भी अपना शिकार बना लिया है। आठ घंटे मोबाइल में ऑनलाइन गेम्स ने आज सभी की दिनचर्या में बदलाव कर दिया है। इसका युवा पीढ़ी पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है। वे अपनी ज़िम्मेदारी से पीछे हटते दिखाई दे रहें हैं। ऑनलाइन गेम के विपरीत वास्तविक खेल कल्पनाशक्ति को बढ़ाते हैं। ये बच्चों और युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाते हैं। वास्तव में ऑनलाइन गेमिंग एक ऐसा जाल है जिसका उपयोग ठीक दिशा में करने पर सकरात्मक परिणाम आते हैं और यदि इसी का इस्तेमाल बुरी दिशा में करें तो जो परिणाम आगे चलकर भयावक रूप लेता हैं। ऑनलाइन का मतलब ये नही आज ऑनलाइन गेम्स खेले ,ऑनलाइन चैट करें ऑनलाइन चैट करें, या फिर ऑनलाइन का मिस यूज़ करें। कोरोना संकट ने हमे ऑनलाइन काम के साथ घर बैठे बहुत कुछ सीखा दिया आज यही पल जिसमें हम अपने घर 24 घंटे व्यतीत करते हैं और इस समय से अभिप्राय कोरोना में घर से है। वास्तव में हमे अपने बच्चों को इंटरनेट से जुड़ी उन तमाम जानकारियों से अवगत और बच्चों को इसका सही उपयोग बताना चाहिए जिससे हम अपने बच्चों के साथ उनका भविष्य भी उज्ज्वल बना सकें।

(c) 'लोकतंत्र से तात्पर्य' जनता के तंत्र' यानी जनता के शासन से है। लोकतंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है, जिसमें अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से जनता शासन करती है। जब जनता अप्रत्यक्ष रूप से शासन करती है, तो वह चुनाव के माध्यम से अपना प्रतिनिधि चुनती है, जो जनता के नाम पर जनता के लिए शासन करता है। एक निश्चित अंतराल पर चुनाव का निरंतर संपन्न होना आवश्यक है ताकि जनता अपने प्रतिनिधि के कार्यों का समय-समय पर मूल्यांकन कर सके। चूंकि जनता के प्रतिनिधि ही सामान्यतया शासन करते हैं। अतः उन्हें निरंकुश बनने से रोकने के लिए समय-समय पर चुनाव होने आवश्यक हैं। जनता सही प्रतिनिधि का चुनाव करके लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोकतंत्र में वास्तविक संप्रभुता लोगों यानी जनता के पास ही होती है। अतः जनसामान्य के लिए आवश्यक है कि वह निष्पक्ष होकर लोकतंत्र की कसौटी पर खरा उतरने वाले लोगों का ही अपने प्रतिनिधि के रूप में चयन करें, जो न केवल बेहतर शासन-प्रबंध करने में सक्षम हों, बल्कि लोकतंत्र को सुदृढ़ करने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान भी दें, क्योंकि सही प्रतिनिधि के चुनाव से ही लोकतंत्र की रक्षा संभव है।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक औपचारिक पत्र लिखिए -

(a) सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
बाल भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय
दिल्ली,
दिनांक - 30 अप्रैल 2024
विषय - विद्यालय में समसामयिक विषयों की पुस्तकें मँगवाने हेतु।
महोदय,
मैं तनुजा आपके विद्यालय कि छात्र हूँ। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में कुछ सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान में, पुस्तकालय की किताबों का चयन और उनकी स्थिति सुधार की मांग कर रही है। कई पुस्तकें पुरानी और उपयोग की नहीं रहतीं, जिससे छात्रों को अध्ययन में कठिनाई होती है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय की सुविधाओं को अपडेट करने की भी जरूरत है, जैसे कि आरामदायक पढ़ाई की जगह और आधुनिक संदर्भ सामग्री। इन सुधारों से न केवल अध्ययन के प्रति उत्साह बढ़ेगा, बल्कि हमारी पढ़ाई की गुणवत्ता भी बेहतर होगी।
आपके सहयोग के लिए अग्रिम धन्यवाद।
सादर,
अंकित

(b) मोहन रैना/मोहिनी रैना
नगर निवासी, क.ख.ग. नगर
26/09/20XX
नगर निगम अधिकारी
प्रिय सर/मैम,
मैं नगर निवासी मोहन रैना/मोहिनी रैना आपके नगर के एक निवासी हूँ। मैं आपके ध्यान में एक महत्वपूर्ण समस्या पर चर्चा करना चाहता/चाहती हूँ - जल-भराव।
हमारे क्षेत्र में बारिशों के समय जल-भराव हो जाता है, जो हमारे जीवन को प्रभावित करता है। यह स्थिति सड़कों, नगरीय क्षेत्रों और विभित्र स्थलों में सुरक्षा संकट बनाती है। इससे निकलने के लिए जरूरी है कि कदम उठाएं जाए और प्रभावी समाधान तैयार किए जाए।
मैं आपसे अनुरोध करता/करती हूँ कि आप इस समस्या का निपटान करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं और नगर में जल-भराव से संबंधित उचित इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना करें।
आपका ध्यान और कृपया स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस समस्या का समाधान करने की जल्दी से कार्रवाई करने की अपेक्षा करता/करती हूँ।
धन्यवाद,
नगर निवासी मोहन रैना/मोहिनी रैना

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए :

(a)

कल्याण संघ, सोसायटी

सूचना

8/10/2023

शास्त्रीय नृत्य-संगीत कक्षा

सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि हमारी सोसायटी में शास्त्रीय नृत्य संगीत कक्षाएँ शुरु की जा रही हैं। यहाँ हम सभी उम्र के लोगों को नृत्य सिखाने का इंतजाम किया गया है। आने वाले दिनों में, राज्य स्तर पर शास्त्रीय नृत्य संगीत की प्रतियोगिताएँ भी होने वाली हैं। हम इस उद्देश्य के साथ शास्त्रीय नृत्य संगीत को बढ़ावा देने के लिए कक्षाएँ शुरू कर रहे हैं।
आप सभी से अनुरोध है कि आप भी इस अवसर का लाभ उठाएँ और इस सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए तैयार रहें। हम सभी का सहयोग आवश्यक है ताकि यह प्रयास सफल हो सके।
इच्छुक व्यक्ति दिए गए पते पर संपर्क करें:
दिनांक एवं समय: 8/10/2023 से 14/10/2023 तक
समय प्रात: 9 बजे से 5 बजे तक
स्थान: सोसायटी हॉल
मुख्य आकर्षण: रविवार को मुफ़्त प्रदर्शन
सचिव
अरुण पटनायक

(b)

डीएवी पब्लिक स्कूल, गांधीनगर, रायपुर

सूचना

8 जून, 2024

व्यक्तित्व-विकास शिविर का आयोजन

कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि ग्रीष्मावकाश के दौरान डीएवी पब्लिक स्कूल, गांधीनगर, रायपुर में व्यक्तित्व-विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर कक्षा 9वीं से 12वीं तक के सभी छात्रों के लिए है। इसमें विभिन्न कौशलों की विकास और स्वयं की समझ में सुधार के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। यह एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद कार्यक्रम है, जो आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का उद्देश्य रखता है।
अतः सभी छात्रों से निवेदन है कि इस शिविर में भाग लेकर अपनी पेशेवर और व्यक्तिगत उन्नति में योगदान दें।
धन्यवाद
सचिव
छात्र कल्याण संगठन

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए :

(a)

"ज्ञान का दीप जलाने वाली
नया पाठ पढ़ाने वाली
हर कीमत में उपलब्ध
इसके लिए कम हैं शब्द"

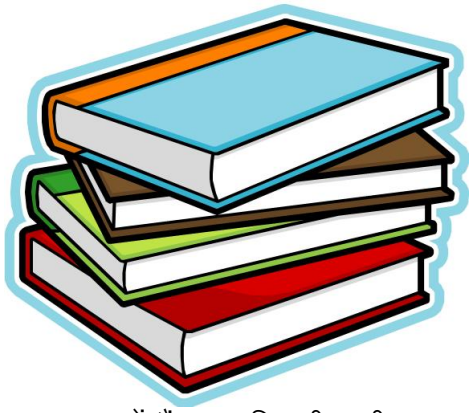

पुस्तकें हैं मनुष्य की सच्ची साथी
इसके जैसा न कोई थाती
पवनहंस बुक शॉप

संपर्क करें
पता:- राजनगर पालम, नई दिल्ली
फोन नं. 011252645XX

(b)

व्यायामशाला (जिम)

"अपने घर के तहखाना में खोलें व्यायामशाला (जिम) -
स्वास्थ्य का नया प्रमुख नियमीन!
हमारे प्रशिक्षित शिक्षक और नवीनतम मशीनों से, बनाएं अपने शरीर को स्वस्थ और मजबूत।
आओ, साथ चलें स्वास्थ्य की नई ऊँचाइयों की ओर और बनें बेहतर और ऊर्जावान आप।"

हमारा पता: दुकान नं. 15 गोविंद प्लाजा, गोविन्दपुरी, दिल्ली।
दूरभाष: 998877XXXX

16. **जब मैंने अन्तरिक्ष में कदम रखा**

बहुत मन करता था कि मैं भी कभी अन्तरिक्ष में जाऊं। जल्दी ही मौका भी मिल गया। अपने चाचाजी के साथ अन्तरिक्ष यान में बैठकर पहुँच गया अन्तरिक्ष। वहाँ से देखने पर सभी ग्रह गेंद की भांति लग रहे थे। मैं यान से उतरा और सभी ग्रहों को छू-छू कर देखने लगा। मंगल तो किसी तारे के समान चमक रहा था। चाँद पर बहुत गड्ढ़े थे। सूरज बहुत गर्म था। मैं उसे छू भी नहीं पाया। पृथ्वी किसी शांत मुनि की भांति लग रही थी। जैसे ही मैंने उसे छूने के लिए हाथ बढ़ाया, मुझे किसी ने धक्का दिया। आँख खुली तो देखा कि मैं अपने पलंग से नीचे गिरा पड़ा हूँ।

OR

From: laptop07@gmail.com
To: dhanush@gmail.com
CC:
BCC:
विषय: लैपटॉप में खराबी होने के कारण बदलवाने के सन्दर्भ में
महोदय,
मुझे आपको बताना है कि कुछ दिन पहले मेंने आपकी कंपनी से ऑनलाइन लैपटॉप खरीदा था। लेकिन यह लैपटॉप कुछ तकनीकी समस्या के कारण ठीक से काम नहीं कर रहा है। इसमें आधी स्क्रीन भी काम नहीं कर रही है। इसलिए मैं चाहता हूँ कि आप इसे बदल कर एक नया लैपटॉप भेजें, जिससे मेरा काम ठीक से हो सके। आपसे अनुरोध है कि इसे जल्दी से जल्दी समाधान करें और नया लैपटॉप भेजें।
धन्यवाद
धनुष सांगवान